राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–21, संयुक्त अंक 01–02, जनवरी–जून 2020

शिक्षक प्रशिक्षण में निटर का महत्वपूर्ण योगदानः डॉ अनिल सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष एआईसीटीई

एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा पहला एआईसीटीई–एनआईटीटीटी मेंटर ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम दिनांक 3 से 10 जून 2020 तक ऑनलाईन मोड में आयोजित किया गया। छह दिवसीय इस कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि चार निटर देश में एक मात्र संस्थान हैं जो तकनीकी शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण को पूरा करते हैं और देश की इंजीनियरिंग शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए 50 से अधिक वर्ष का अनुभव रखते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे भारत के एआईसीटीई से संबद्ध संस्थानों के 150 वरिष्ठ प्रोफेसर और विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया। उदघाटन सत्र में एआईसीटीई के चेयरमैन डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे ने सभी मेंटर्स से कहा कि आपको प्राचीन समय के गुरूओं के समान नये प्रेरक शिक्षकों को मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देना है। उन्होंने नये शिक्षकों से एआईसीटीई की अपेक्षाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण में निटर का महत्वपूर्ण योगदान है।

डॉ. एम.पी. पूनिया, उपाध्यक्ष एआईसीटीई

डॉ. एम.पी. पूनिया, उपाध्यक्ष एआईसीटीई ने कहा कि एनआईटीटीटीआर अपने लंबे समय के अनुभव के कारण इस विकासात्मक कार्य को करने के लिए सबसे उपयुक्त संस्थान है। उन्होंने शिक्षकों में शिक्षण कौशल के विकास पर जोर दिया जिससे वे नियोक्ताओं की संतुष्टि को पूरा करने के लिए कौशल क्षमता विकसित करें। डॉ. राजीव कुमार, सदस्य सचिव एआईसीटीई ने इस कार्य को पूरा करने के लिए एआईसीटीई और एन–आईटीटीटीआर के तालमेल संबंध की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय समिति के सदस्य जिन्होंने व्यापक नीति को अंतिम स्वरूप प्रदान किया के अध्यक्ष डॉ. एच.पी. किन्चा, पूर्व कुलपति और समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. दहिया, डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। प्रो. किन्चा ने शिक्षक प्रशिक्षण की नीति की भावना एवं प्रासंगिकता के बारे में विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने कहा कि मेंटरशिप भविष्य के शिक्षकों को तैयार करने की जिम्मेदारी भी देता है। निटर द्वारा आठ प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं, जो एक उत्तरदायी शिक्षक प्रशिक्षण और विकास प्रणाली के विभिन्न मुख्य पहलुओं जैसे कि आउटकम आधारित शिक्षा, आईसीटी कौशल, अनुदेशात्मक वितरण, छात्र मूल्यांकन व्यावसायिक नैतिकता, रचनात्मकता और अनुसंधान, संचार कौशल आदि पर आधारित हैं।

डॉ अनिल सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष एआईसीटीई

निटर निदेशक प्रो. सी. थंगराज

एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा पहला एआईसीटीई–एनआईटीटीटी मेंटर ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम दिनांक 3 से 10 जून 2020 तक ऑनलाईन मोड में आयोजित किया गया। छह दिवसीय इस कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि चार निटर देश में एक मात्र संस्थान हैं जो तकनीकी शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण को पूरा करते हैं और देश की इंजीनियरिंग शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए 50 से अधिक वर्ष का अनुभव रखते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे भारत के एआईसीटीई से संबद्ध संस्थानों के 150 वरिष्ठ प्रोफेसर और विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया। उदघाटन सत्र में एआईसीटीई के चेयरमैन डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे ने सभी मेंटर्स से कहा कि आपको प्राचीन समय के गुरूओं के समान नये प्रेरक शिक्षकों को मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देना है। उन्होंने नये शिक्षकों से एआईसीटीई की अपेक्षाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण में निटर का महत्वपूर्ण योगदान है।

डॉ. एम.पी. पूनिया, उपाध्यक्ष एआईसीटीई ने कहा कि एनआईटीटीटीआर अपने लंबे समय के अनुभव के कारण इस विकासात्मक कार्य को करने के लिए सबसे उपयुक्त संस्थान है। उन्होंने शिक्षकों में शिक्षण कौशल के विकास पर जोर दिया जिससे वे नियोक्ताओं की संतुष्टि को पूरा करने के लिए कौशल क्षमता विकसित करें। डॉ. राजीव कुमार, सदस्य सचिव एआईसीटीई ने इस कार्य को पूरा करने के लिए एआईसीटीई और एन– आईटीटीटीआर के तालमेल संबंध की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय समिति के सदस्य जिन्होंने व्यापक नीति को अंतिम स्वरूप प्रदान किया के अध्यक्ष डॉ. एच.पी. किन्चा, पूर्व कुलपति और समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. दहिया, डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। प्रो. किन्चा ने शिक्षक प्रशिक्षण की नीति की भावना एवं प्रासंगिकता के बारे में विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने कहा कि मेंटरशिप भविष्य के शिक्षकों को तैयार करने की जिम्मेदारी भी देता है। निटर द्वारा आठ प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं, जो एक उत्तरदायी शिक्षक प्रशिक्षण और विकास प्रणाली के विभिन्न मुख्य पहलुओं जैसे कि आउटकम आधारित शिक्षा, आईसीटी कौशल, अनुदेशात्मक वितरण, छात्र मूल्यांकन व्यावसायिक नैतिकता, रचनात्मकता और अनुसंधान, संचार कौशल आदि पर आधारित हैं।

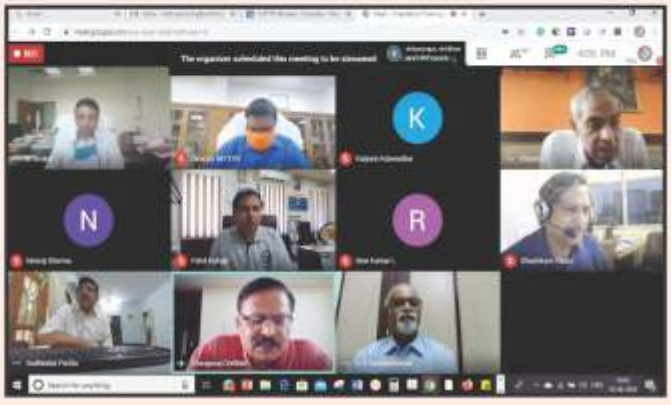

डॉ. जोशुआ अर्नेस्ट, कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. डी.एस. करौलिया और डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन ने नीति की मुख्य विशेषताओं, मॉड्यूल गतिविधियों और वीडियो कार्यक्रमों के माध्यम से सीखने एवं मेंटर के मूल्यांकन के लिए विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा की। चारों निटर के विशेषज्ञों द्वारा विकसित संबंधित मॉडयूल और शिक्षकों के लिए बनायी गयी प्रशिक्षण सामग्री एवं उनके असाईनमेंटस के बारे में जानकारी दी। हर मॉड्यूल में सीखे गए कौशल को रूब्रिक के माध्यम से मूल्यांकन करने की अवधारणा की चर्चा की। हर मॉड्यूल पर विस्तृत चर्चा उनके समन्वयक लेखकों ने की जिससे प्रतिभागी अपनी शंकाओं का समाधान बहुत अच्छी तरह कर सके। चैन्नई निटर से डॉ. पी मल्लिंगा, डॉ. जनार्दनन, डॉ. शणमुधनिति, चंडीगढ़ निटर से डॉ. अमनदीप कौर, डॉ. पी.के. तुलसी एवं निटर भोपाल से डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. एस.एस. केदार, प्रो. सूसन मैथ्यू, प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. ए. खजांची ने इन सत्रों का संचालन किया। आखिरी सत्र इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग पर था जिसमें इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने टीचर की इंडस्ट्री ट्रैनिंग पर अपने विचार रखें।

निटर भोपाल के निदेशक और ऑनलाइन मेंटरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम के समन्वयक डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि मेंटर्स के लिए पहला ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम एआईसीटीई की उम्मीदों पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि निटर भोपाल में मूडल आधारित प्रणाली का इस्तेमाल आठ प्रशिक्षण मॉडयूल के बारे में संसाधन सामग्री के साथ मेंटरों को प्रदान करने के लिए किया गया था, जिन्हें चार एनआईटीटीटीआर द्वारा प्रेरक शिक्षकों के पहले चरण के प्रशिक्षण के लिए संस्थान के डॉ. के. जेम्स मथाई द्वारा विकसित किया गया है। एक उत्तरदायी शिक्षक प्रशिक्षण और विकास प्रणाली के विभिन्न मुख्य पहलुओं यानि आउटकम आधारित शिक्षा, आईसीटी कौशल, अनुदेशात्मक योजना और वितरण, छात्र मूल्यांकन व्यावसायिक नैतिकता, रचनात्मकता और अनुसंधान, संचार कौशल आदि विषयों पर

राष्ट्रीय संगोष्ठी ''कौशल विकास एवं उद्यमिता : स्केलिंग न्यू होराईज़न'' का समापन

विरासत में मिले कौशल को निखारना होगा : श्री सी. पी. शर्मा

निटर भोपाल में दिनांक 18–19 फरवरी 2020 को दो दिवसीय ''कौशल विकास एवं उद्यमिता : स्केलिंग न्यू होराईज़न विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। इस कार्यशाला में देशभर के 100 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारतीय उद्यमिता संस्थान, (ईडीआई) अहमदाबाद के निदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज उद्यमिता के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। आज उनकी संख्या घट रही हैं। नवाचार छोटे–छोटे तरीकों से भी हो सकता हैं। इस तरह के संगोष्ठी आयोजन किसी भी देश के विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि उद्यमिता में एक जज्बा होता है, जिसके सहारे वह एक व्यवसाय खड़ा करता है और लोगों को रोजगार देता है। वह रोज़ चुनौतियों से जूझता है। उसमें एक अच्छे लीडर की गुणवत्ता होना चाहिये। हमें विरासत में मिले कौशल को निखारना होगा तभी समुचित विकास होगा। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सलाकार श्री एच.व्ही. देशमुख ने कहा कि कौशल विकास सदा रोज़गार के साथ जोड़ा जाना चाहिए। जिन सेक्टर में जॉब उपलब्ध हैं उसी में कौशल विकास होना चाहिए। निटर के प्रभारी निदेशक डॉ. डी.एस. करौलिया ने अपने स्वागत भाषण में पूरी दुनिया में कौशल विकास के लिए किया जा रहे कार्य एवं मॉडल की चर्चा की। पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल के संयुक्त निदेशक डॉ. आर. पी. खंबायत ने कहा कि आज युवा वर्ग का समुचित कौशल विकास होना चाहिये जिससे उनको रोजगार मिल सके। उन्होंने डिमांड के साथ स्किल डेवलपमेंट को जोड़ा। इस संगोष्ठी में देश के जाने माने विषय विशेषज्ञों ने दो दिनों तक गहन चिंतन किया सभी का मत था कि रिस्क लेने की क्षमता

से ज्यादा रिस्क मैंनेजमेन्ट महत्वपूर्ण हैं। इस संगोष्ठी में व्यावसायिक शिक्षा का रोजगार एवं उद्यमिता की चुनौतियां, स्किल डेवलपमेंट के लिये इंडस्ट्री के इनिशिएटिव, ई–कॉमर्स कंपनीज, अमेजन एवं फिल्पकार्ड की सक्सेस स्टोरी, उद्यमिता नीतियां, पारिस्थितिकी तंत्र, ग्रामीण महिला एवं सामाजिक उद्यमिता हेतु नई पहल, कौशल विकास एवं उद्यमिता के नए मॉडल, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा का व्यवसायीकरण, नये युग के कौशल के पाठ्यक्रम निर्माण एवं प्रमाणन, शिक्षण संस्थानों में स्टार्टअप की पहल आदि विषयों पर प्रस्तुति दी गयी। संस्थान निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने इस संगोष्ठी को एक नई पहल बताते हुए कहा कि हमारा संस्थान इस दिशा में नई परियोजनाओं पर कार्य करेगा। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इन सब निष्कर्षो का व्यावहारिक कार्यान्वयन ज्यादा जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र प्रौद्यौगिकी नवाचार प्रयोगशालाएँ, नई दिल्ली के प्रभारी ने कहा कि इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप्स कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस संगोष्ठी को प्रो. आर.जी. चौकसे, प्रो. अंजू रौले, प्रो. अतुल मिश्रा, प्रो. निशिथ दुबे, प्रो. रोली प्रधान ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ विशेषज्ञ

मातृभाषा के सम्मान के बिना कोई देश प्रगति नहीं कर सकता:- डॉ. सी थंगराज

निटर, भोपाल में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में हिंदी, मराठी, कन्नड़, सिंधी, गढ़वाली, भोजपुरी, अंग्रेजी, तमिल, मैथिली, मलयालम, बंगाली, बुंदेली, उर्दू, गुजराती, संस्कृत एवं अन्य भाषाओं में प्रस्तुतियाँ दी गयीं। संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने इस कार्यक्रम को एक नई पहल बताते हुए कहा की मातृभाषा के सम्मान के बिना कोई देश प्रगति नहीं कर सकता। मातृभाषा से आपका भावनात्मक रिश्ता होता है यह हमारी आत्मा होती है। उन्होंने जर्मनी, जापान, फ्रांस, चीन के उदाहरण देते हुए कहा की इन देशों ने अपनी मातृभाषा को अपनाकर ही प्रगति की है। उन्होंने कहा कि अगले एक वर्ष में निटर भोपाल में देश की विभिन्न भाषाओं के संदेश व्याख्या सहित लगाए जायेंगे। उन्होंने कहा की हमारे देश की हर भाषा का समृद्ध इतिहास रहा है। निटर भोपाल की राजभाषा हिन्दी के प्रति वचनबद्धता सजगता हमेशा से रही है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पी.के. पुरोहित ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देने के लिए (UNESCO) ने इसे स्वीकृत दी है। निटर, भोपाल लघु भारत है यहाँ हर भाषा को बोलने समझने वाले सदस्य हैं। कार्यक्रम में प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. एम.सी. पालीवाल, प्रो. एम.ए. रिज़वी, प्रो. अंजली पोटनीस, प्रो. राजेश्वरी शिवगुन्डे, प्रो. हुसैन जीवाखान, प्रो. अंजना तिवारी, श्रीमती शोभा लेखवानी, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. सुब्रत राय, श्री एच.एस. राव, श्री रामेश्वर चतुर्वेदी, श्री गिरीश नायर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आये अलग–अलग प्रदेशों के प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपनी–अपनी मातृभाषा में अपने विचार, संस्मरण, कविता, गीत, गज़ल, पुस्तक एवं नाटक के अंश प्रस्तुत किये। इस अवसर पर संस्थान की 21 वर्षो से प्रकाशित हो रही राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' के नवांक का विमोचन भी किया गया। धरती हमरा गढ़वाल की, एकला चालो रे, मिले सुर मेरा तुम्हारा, ये नये मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो, हर बोली हर भाषा को सलाम, अच्युतम केशवम रामनारायणम आदि भजन गीत, गज़लों ने कार्यक्रम को रोचक बनाया।

शैक्षणिक संस्थानों के संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन की रणनीति

दिनांक 03 से 14 फरवरी 2020 तक निटर, भोपाल में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटेक) के तहत विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''शैक्षणिक संस्थानों के संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन की रणनीति'' विषय पर शिक्षाविदों एवं प्रशासकों के लिये द्वि–साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 19 देशों के 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निटर, भोपाल निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन आज समय की मांग है। उन्होंने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में विदेश से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों के साथ साथ संस्थान के संकायगण भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को अपने संसाधन छात्रों के व्यापक हित में साझा करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सी. पी. शर्मा ने कहा कि रिसोर्स मेनेजमेंट किसी भी संस्थान की सफलता और उत्तरोत्तर प्रगति के लिए आवश्यक है। हर शैक्षणिक संस्थान की उत्तम छवि उसके द्वारा आयोजित किये जा रही शैक्षणिक गतिविधियों एवं उनके परिणामों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता ही किसी देश के विकास में सहायक होती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ शमीमुद्दीन का मानना है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम औद्योगिक जगत की वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में उठाया गया एक सराहनीय कदम है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए. के. सराठे ने कहा कि औद्योगिक जगत की प्रगति तभी संभव है जब वहां का शैक्षणिक संस्थान नवीनतम तकनीक के संपर्क में रहे और उपलब्ध संसाधनों का भरपूर उपयोग करे। आईटेक योजना समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा ने पूर्व में आयोजित आईटेक कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया।

जीवन में हार हमेशा बड़ी कामयाबी का आगाज़ होती है : सुश्री मेघा परमार, पर्वतारोही

एनआईटीटीटीआर भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश की प्रथम एवरेस्ट पर्वतारोही सुश्री मेघा परमार ने संस्थान के साथ अपने रोमांचक, साहसिक, जोखिममरे एवं संघर्षपूर्ण अनुभव साझा किये। सुश्री मेघा परमार की सफलता के पीछे छुपी हुई उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा सीहोर के छोटे से गांव से शुरु होकर 16 पर्वतो को पार कर लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हुई। मेघाजी ने अपनी सफलता में मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग को भी सराहा। मध्यप्रदेश के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रान्ड एम्बेसेडर सुश्री मेघा परमार ने अपने संबोधन में फिल्म सुल्तान एवं चक दे इंडिया से प्रेरित होकर और जीवन में मिली आलोचनाओं का सशक्त जवाब देने का अपने जुनून के कई किस्सों से अवगत कराया। उन्होंने बताया गया कि हमें हार से कभी हताश नही होना चाहिए, बल्कि यह मानकर प्रयास करते रहना चाहिए कि यह हार, हमारी आने वाली बड़ी कामयाबी का आगाज़ है। ईश्वर हमारे दृढ़ संकल्प की परीक्षा लेते हैं । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने स्वागत उद्‌बोधन के साथ–साथ सुश्री मेघा परमार के प्रेरणादायी अनुभवों का लाभ सभी को मिल सके इस उद्‌देश्य से उनकी संघर्षमयी कोशिशों पर आधारित डाक्यूमेंट्री बनाये

सुश्री मेघा परमार का स्वागत करते प्रोफेसर सी. थंगराज

जाने की घोषणा की। सुश्री मेघा परमार को शाल, श्रीफल एवं संस्थान का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो.एम.सी. पालीवाल द्वारा एक सप्ताह तक महिला संबंधित विषयों पर आधारित तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन, स्वरचित कविता पाठ एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। सुश्री मेघा परमार के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण किया गया। तात्कालिक भाषण में प्रथम डॉ. अंजली पोटनीस, द्वितीय श्रीमती दिव्या विजय, तृतीय श्रीमती शोभा लेखवानी, स्वरचित कविता में प्रथम श्रीमती दिव्या विजय, द्वितीय प्रो. अस्मिता खजांची, तृतीय श्रीमती नीतू अग्रवाल एवं विशेष पुरस्कार श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्री रितेन्द्र पवार को प्राप्त हुआ। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती भावना मोतियानी, द्वितीय श्रीमती रत्नेश यादव, तृतीय श्री प्रमोद शर्मा एवं विशेष पुरस्कार श्री संजय मिश्रा, श्री जितेन्द्र चतुर्वेदी को प्राप्त हुआ। प्रश्न मंच में 20 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अधिष्ठाता ई एण्ड आईएम एवं अध्यक्ष सांस्कृतिक समिति प्रो. सुब्रत रॉय ने अपने विचार व्यक्त किये एवं महिला प्रकोष्ठ की सचिव प्रो. चंचल मेहरा द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनआईटीटीटीआर भोपाल के समस्त संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम का आनंद लिया ।

एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल के ट्रेनिग कैलेण्डर का विमोचन

निटर भोपाल के वर्ष 2020–2021 के वार्षिक ट्रेनिंग प्रोग्राम के कैलेन्डर का विमोचन निटर भोपाल के निदेशक डॉ. सी. थंगराज द्वारा किया गया। उन्होंने आगामी वर्षो में निटर द्वारा किये जाने वाले कार्यो के एक्शन प्लान पर चर्चा की। निटर, भोपाल के डीन एकेडमिक्स प्रो. बी.एल. गुप्ता के अनुसार आगामी अकादमिक वर्ष में संस्थान में देशभर के तकनीकी संस्थाओं के शिक्षकों के लिए लगभग 330 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंनें संस्थान में चल रहे विभिन्न रिसर्च प्रोजेक्ट पर चर्चा की। इस वर्ष कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के साथ संयुक्त रूप से भी आयोजित किये जायेंगे। अकादमिक कैलेन्डर के इंजार्च एसोसियेट डीन डॉ.एम.ए.रिज़वी ने अपने प्रजेन्टेशन में बताया कि इस कैलेण्डर में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित होने वाले सेमीनार, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटेक) के तहत विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आईटेक कार्यक्रम जिसमें 35 से आधिक देशों के प्रतिभागियों के सम्मिलित होने की संभावना है। इस कैलेण्डर में कोलम्बो प्लान स्टॉफ कॉलेज मनीला के सहयोग से एक मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम एवं कॉन्फ्रेन्स भी की जायेगी। इस कैलेन्डर में राजभाषा हिन्दी के रूचिकर विषयों पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं। जिसमें केन्द्रीय कार्यालयों के

अधिकारी कर्मचारी भाग ले सकते हैं। सभी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी निटर वेबसाइट पर उपलब्ध है। देशभर के शिक्षक किसी भी कार्यक्रम में ऑनलाईन रजिस्टर होकर कार्यक्रम में उपस्थित हो सकते हैं। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिशिचित करने के लिए उनको योग्यता आधारित पद्धति पर तैयार किया गया है। सभी प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न लर्निंग एक्टीविटिस एवं टेस्ट से गुजरना होगा एवं 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है इसके उपरांत ही उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा। संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने इस संदर्भ में विभिन्न प्रदेशों के तकनीकी शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर अधिक से अधिक शिक्षकों को इन कार्यक्रमों में प्रायोजित करने हेतु निवेदन किया।

स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशानुसार संस्थान के ई.एण्ड आई.एम. विभाग द्वारा दिनांक 16 से 31 जनवरी 2020 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें वृक्षारोपण, स्वच्छता शपथ, जल संरक्षण, वन संरक्षण, अनुपयोगी वस्तुओं का सदुपयोग विषयों पर पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के संकायगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, जे. आर. एफ. एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

उपयुक्त भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण तकनीकी पर कार्यक्रम

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दिनाँक 20–24 जनवरी 2020 को "उपयुक्त भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण तकनीकी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात एवं मध्यप्रदेश के 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय आवास नीति, वैकल्पिक भवन निर्माण के पदार्थ एवं निर्माण की विधि, कम लागत में भवन बनाने के लिये तकनीकी एवं मेटेरियल इत्यादि पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एम. सी. पालीवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए. के जैन ने अपना योगदान दिया।

अकादमिक एवं शोध पत्र लेखन

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में दिनांक 09–13 मार्च 2020 तक ''अकादमिक एवं शोध पत्र लेखन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को ई–कन्टेन्ट, लेब मैनुअल, हैंड आउट्स, शोध के प्रकार, शोध विधियां, शोध पत्र लेखन, शोध प्रस्ताव लेखन, शोध कार्य हेतु ऑनलाइन रिर्सोस की उपलब्धता आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 31 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीर उल्ला शेक ने अपना योगदान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सम्पन्न

निटर, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक श्रीमती संध्या सक्सेना एवं श्री संजय सक्सेना ने कहा कि योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। नियमित योगाभ्यास के माध्यम से हम अपनी अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर कर सकते हैं और कोरोना जैसी महामारियों से भी लड़ सकते हैं। योग से हमारी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने निटर परिसर के सदस्यों को केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार योगाभ्यास कराया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपना संदेश दिया और योग का महत्व बताया।

गणतंत्र दिवस समारोह

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष संचालक मंडल श्री सी.पी. शर्मा एवं संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने संस्थान में झंडावंदन कर संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति गीत एवं अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

लीप कार्यक्रम में सहभागिता

संस्थान के प्राध्यापक प्रो. आर.के. दीक्षित एवं प्रो. जे.पी टेगर द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं आई.आई.टी. बॉम्बे, मुंबई द्वारा शिक्षाविदों के लिये नेतृत्व क्षमता विकास पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। यह कार्यक्रम दो चरणों में पूर्ण किया जायेगा। इसमें आई. आई.टी. एवं एनआईटी के 13 प्राध्यापक एवं अन्य विश्वविद्यालयों व अन्य संस्थानों के 13 प्राध्यापकों ने भाग लिया। प्रथम चरण आई.आई.टी., मुंबई द्वारा 25 फरवरी से 8 मार्च तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का दूसरा चरण 15 मार्च से 22 मार्च तक जिनेवा विश्वविद्यालय स्विटज़रलैंड में प्रस्तावित था जो कि कोरोना वायरस को महामारी घोषित करने के कारण भविष्य में आयोजित किया जायेगा।

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह–संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी,
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्रीमती साधना त्रिपाठी, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित